

इस वार्तावाणी के माध्यम से, हम आपके सामने पिछले 3 वर्षों में कोएलिशन द्वारा बनाए गए कुछ प्रमुख रचनाओं और डिजाइनों को लेकर आए हैं।



चार्टर और मानक



कोएलिशन चार्टर

यह हमारे उद्देश्य, दृष्टि और मूल्यों को प्रत्यक्ष करता है जो कि सदस्यता समूह द्वारा सह-निर्मित और 100 से अधिक सदस्यों द्वारा समर्थित है

युवा पर केंद्रित नवाचारों के लिए डिजाइन सिद्धांत

- F** युवाओं की भावनाओं (Feelings) का सम्मान होना चाहिए
- L** वयस्कों के साथ नेतृत्व (Leading) करना
- O** समाज के लिए स्वयं का स्वामित्व (Ownership)
- W** जोखिम लेने के लिए तैयार (Willingness) होना
- I** सभी का समावेश (Inclusion)
- N** वर्तमान (Now) आने वाले कल जितना ही महत्वपूर्ण है
- G** रिफ्ल-एक्शन पर आधारित (Grounded)

युवा कर्तव्य और अधिकार प्रारूप घोषणा



हर जगह/क्षेत्र में नेतृत्व का कर्तव्य



विविध संबंध स्थापित कर भाईचारे और सामाजिक समन्वय को बढ़ावा देने का कर्तव्य



स्वेच्छा से सामाजिक परिवर्तन में सक्रिय रूप से शामिल होने का कर्तव्य



हर जगह/क्षेत्र में निर्णय लेने और प्रतिनिधित्व करने का अधिकार



स्वयं और समाज की अनुभूति स्थायी आजीविका का अधिकार और को सक्षम करने वाले स्थानों के अपनी पसंद के उद्यम के अवसर कि निर्माण का अधिकार



अपनी पसंद के उद्यम के अवसर कि प्राप्ति



डिजाइन और यात्राएं



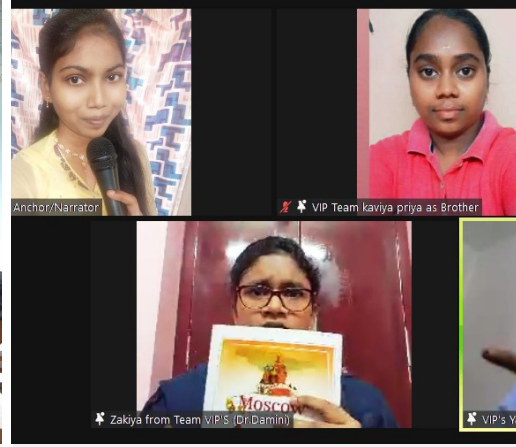
टुगेदरनेस टेबल

प्यार, स्वतंत्रता, स्वामित्व, सीखना और सामाजिक आशा के बारे में संवाद और अनुभवात्मक कार्यों के माध्यम से सीमित भावनाओं को सकारात्मक ऊर्जा में बदलने का एक अंतर-पीढ़ीगत अनुभव। इसके दो संस्करण थे: संविधान और सलामती



समझो तो

समझो तो - संविधान लाइव! डायलॉग्स और फ्रेटरनिटी लैब्स भारत के साझा विचार के सह-निर्माण पर सहयोग करने के लिए संविधान के ढांचे का उपयोग करते हुए धुवीकृत युवाओं को मतभेद के मुद्दों पर संवाद करने के लिए एक साथ लाता है



क्यू-की चैंपियनशिप

जागरूकता पैदा करने के लिए एक रियलिटी चेक, अंतरपीढ़ीगत चैंपियनशिप, इंटरैक्टिव क्विज़, केस स्टडी पर प्लूटोरीज़ प्रदर्शन और बेहतरीन क्रियाओं के माध्यम से खेला जाता है। इसके दो संस्करण थे - वाईडीआर और वेलबीइंग



जेंडर जाग्रिक

युवा पुरुष और लड़के जो कभी हिंसक प्रवृत्ति रखते थे मगर अब इंसपयर्ड इनसाइडर हैं, जो अपने समुदायों के भीतर काम कर रहे हैं ताकि लिंग आधारित हिंसा पर आदर्श परिवर्तन का सह-नेतृत्व किया जा सके, नेतृत्व और निर्णय लेने में लैंगिक समानता को बढ़ाया जा सके और पुरुषत्व के बारे में आख्यान बदलाव लाया जा सके।

"मैं ऐसा व्यक्ति था जो सोचता था कि मेरा विश्वास ही इकलौता सच है। मैं कभी भी दूसरे के दृष्टिकोण के बारे में उत्सुक नहीं था। मेरा एक बहुत कड़ा रुख था और मैं कभी किसी से कुछ भी सुनना और चर्चा नहीं करना चाहता था। लेकिन समझो तो के साथ कुछ बदल गया। मुझे मेरी अपनी जिज्ञासा पर हैरानी हुई और मैंने और सवाल पूछना शुरू कर दिया। मुझे एहसास हुआ कि सवाल पूछना ही हमें शिक्षित बनाता है।"

- गोपाल सिंह गाँधीवानी, 19, फ्रेटरनिटी चैंपियन



जल्द आ रहा है



- जेंडर जाग्रिक वार्तालैब द्वारा जेंडर क्वेश्चर
- पल्स द नेचर लैब द्वारा एनवायरमेंट ब्लूप्रिंट

- वार्ताकर्ता द्वारा जाग्रिक इंडेक्स फॉर स्पेसिस

इन यात्राओं को अपने समुदायों तक ले जाने के लिए आप अक्षित जैन से संपर्क कर सकते हैं